



सूचना और संचार के नए आयाम



सम्पादक
डॉ. सुस्मिता बाला
विशाल सहाय

सूचना और संचार के नए आयाम

सम्पादक

डॉ. सुस्मिता बाला
विशाल सहाय

कनिष्क पब्लिशिंग हाउस
नई दिल्ली-110 002

कनिष्क पब्लिशिंग हाउस
4695/5-21 ए, अंसारी रोड, दरियागंज
नई दिल्ली-110 002
फोन: 2327 0497
(M) : 9810041277, 9654296751
E-mail: kanishka_publishing@yahoo.co.in

सूचना और संचार के नए आयाम

प्रथम संस्करण-2023

© सम्पादक

ISBN: 978-93-93322-26-5

भारत में मुद्रित

कनिष्क पब्लिशिंग हाउस, 04695/5-21 ए, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली-110 002 से चैतन्य
सचदेवा द्वारा प्रकाशित; क्वालिटी प्रिंटेर्स, दिल्ली द्वारा शब्द-संयोजन तथा नाइस प्रिंटिंग

अनुक्रमणिका

आमुख	v
प्रस्तावना	vii
आभार	xi
1. सीबीएफसी प्रमाणपत्र वाली फिल्मों का पुनरीक्षण अधिकार सरकार को देने की कोशिश: सिनेमैटोग्राफ अधिनियम में प्रस्तावित संशोधन डॉ. अंबरीष सक्सेना ✓	1
2. COVID-19 महामारी की पहली लहर के दौरान चार हिंदी समाचार चैनलों के प्राइमटाइम समाचारों का तुलनात्मक विश्लेषण मोहम्मद कामिल एवं डॉ. सुमन कुमारी ✓	17
3. 2020 : फैशन उद्योग में क्रांति का युग प्रिया यादव ✓	32
4. सोशल मीडिया के माध्यम से सूचना प्रसार के बदलते रुझान: कोविड के बाद का परिदृश्य सायमा परवेज	41
5. कोरोना काल और स्त्री सुमन	53

6. न्यायिक व्याख्याओं के मद्देनजर पत्रकारों के विरुद्ध राजद्रोह कानून का विश्लेषण: केस स्टडी 2021
डॉ. सुस्मिता बाला ✓ 58
7. कोरोना काल में बिहार विधान सभा चुनाव एवं चुनाव प्रचार
अंकित कुमार सिंह 73
8. एजेंडा सेटिंग : अवास्तविक दुनिया के गिरफ्त में मीडिया
ओजस्कर पाण्डेय 89
9. इंटेलिजेंट एडवरटाइजिंग में कृत्रिम बुद्धि की भूमिका
डॉ. मनस्वी महेश्वरी ✓ 100
10. सूचना का अधिकार और पत्रकार
मानव सैनी 109
11. वर्तमान समय में सकारात्मक संचार का महत्व—एक अध्ययन
दीपक कुमार 120
12. कोविड-19 महामारी के दौरान युवाओं के सोशल मीडिया उपयोग का अनुभव: ऑनलाइन प्रश्नावली अध्ययन
विशाल सहाय ✓ 131
- लेखक परिचय 146

1

सीबीएफसी प्रमाणपत्र वाली फिल्मों का पुनरीक्षण अधिकार सरकार को देने की कोशिश: सिनेमैटोग्राफ अधिनियम में प्रस्तावित संशोधन

डॉ. अंबरीष सक्सेना

भारतीय संविधान अनुच्छेद 19 (1) (ए) के तहत भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार की गारंटी देता है। जैसा कि सुप्रीम कोर्ट के कई फैसलों में व्याख्या की गई है, यह स्वतंत्रता प्रेस/मीडिया की स्वतंत्रता को शामिल करती है और सभी प्रकार की अभिव्यक्ति और मीडिया के सभी तरीकों पर लागू होती है। लेकिन यह अधिकार पूर्ण नहीं है क्योंकि इस स्वतंत्रता पर अनुच्छेद 19 (2) के तहत उचित प्रतिबंध लगाए गए हैं, जिसमें राज्य की सुरक्षा, सार्वजनिक व्यवस्था और शालीनता और नैतिकता शामिल हैं।

जैसा कि कई मामलों से प्रमाणित होता है, कई सरकारों के पास अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के प्रति असंवेदनशीलता दिखाने का ट्रैक रिकॉर्ड है, लेकिन सर्वोच्च न्यायालय ज्यादातर इस मौलिक अधिकार के रक्षक के रूप में उभरा है। हालांकि, फिल्मों के मामले में सर्वोच्च न्यायालय की राय है कि सिनेमाई स्वतंत्रता को उचित प्रतिबंधों के तहत रखा जाना चाहिए। के ए अब्बास बनाम भारत संघ 1970 में, सुप्रीम

2

COVID-19 महामारी की पहली लहर के दौरान चार हिंदी समाचार चैनलों के प्राइमटाइम समाचारों का तुलनात्मक विश्लेषण

मोहम्मद कामिल एवं डॉ. सुमन कुमारी

परिचय

समाचार देखने और मनोरंजन की खुराक लेने के एक उपकरण के रूप में टेलीविजन को विश्व स्तर पर अपनाया गया है, जल्द ही यह आम जनता के लिए आसानी से उपलब्ध हो गया। इसकी विविध विशेषताओं के कारण, इसे समाचार पत्र और रेडियो जैसे पारंपरिक समाचार उपकरणों के अन्य माध्यमों से अधिक पसंद किया जाता है। हालांकि भारत के संदर्भ में, टेलीविजन की शुरुआत 1959 में हुई थी (दुनिया के अन्य हिस्सों की तुलना में काफी देर से), यह 1975 तक केवल सात शहरों तक ही पहुंच सका था जबकि 2020 के अंत तक, भारत के पास 1600 से अधिक उपग्रह चैनल थे। जिसमें 400 से अधिक समाचार चैनल शामिल हैं।

बहुत सारे अध्ययनों से पता चला है कि आम जनता की सूचना की प्यास बुझाने के लिए मास मीडिया कवरेज, विशेष रूप से टेलीविजन पर बहुत अधिक निर्भर

3

2020: फैशन उद्योग में क्रांति का युग

प्रिया यादव

त्योहारों, संगीत समारोहों और संगोष्ठियों सहित 2020 में घटनाओं के पैकड कैलेंडर में बाहर खड़े होने के लिए, ऑनलाइन जाना और बड़े और नए दर्शकों के साथ जुड़ना आवश्यक होगा। जिस तरह एक जूम पार्टी व्यक्तिगत रूप से दोस्तों से मिलने की जगह नहीं ले सकती है, वैसे ही ऑनलाइन कार्यक्रम लाइव कॉन्सर्ट की तरह रोमांचक नहीं हो सकते लेकिन फिर भी वे उद्योग के लिए सबसे अच्छा विकल्प हो सकते हैं।

उद्योग के लिए नए मानदंड में स्वच्छता, सामाजिक गड़बड़ी, मार्स्क, तापमान जांच और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म शामिल हैं। दर्शक अब अपने घरों में आराम से बैठ सकते हैं और फैशन शो को करीब से देखने का अनुभव प्राप्त कर सकते हैं।

यह अध्ययन यह पता लगाने के लिए किया गया है कि फैशन उद्योग ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के युग में किस दिशा में जाएगा।

एक खोजपूर्ण अध्ययन किया जाएगा। अध्ययन के उद्देश्य के लिए, शोधकर्ता महामारी-युग के ऑनलाइन फैशन शो की केस स्टडी पेश करेंगे। शोध की पद्धति गुणात्मक होगी।

की वर्ड: इवेंट, वर्चुअल, फैशन शो, COVID-19

6

न्यायिक व्याख्याओं के मद्देनजर पत्रकारों के विरुद्ध राजद्रोह कानून का विश्लेषण: केस स्टडी 2021

डॉ. सुस्मिता बाला

भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 19 (1) (ए)) नागरिकों को भारतीय संविधान द्वारा गारंटी कृत सभी मौलिक अधिकारों में सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। संविधान ने अनुच्छेद 19 (2) के तहत इस स्वतंत्रता पर उचित प्रतिबंध भी निर्धारित किए हैं। इस अनुच्छेद में 7 प्रतिबंधों का प्रावधान है जो राज्य द्वारा भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को प्रतिबंधित करने के लिए लगाया जा सकता है। इनमें से अधिकांश प्रतिबंध पिछले 70 वर्षों के दौरान संवैधानिक संशोधनों के माध्यम से अनुच्छेद 19 (2) में जोड़े गए हैं।

प्रतिबंधों का औचित्य एक जटिल क्षेत्र है, इसीलिए इन प्रतिबंधों को लागू करने के लिए ज्यादातर कानूनों के माध्यम से एक कानूनी ढांचा निर्धारित किया गया है। यद्यपि कार्यपालिका द्वारा अपनी विवेकाधीन शक्तियों का प्रयोग करके और अनेक अवसरों पर मनमाने ढंग से अनेक प्रतिबंध लगाए जाते हैं।

अनुच्छेद 19 (2) के तहत उचित प्रतिबंधों में स्पष्ट रूप से राजद्रोह शामिल नहीं है, हालांकि इसकी व्याख्या भारत की संप्रभुता और अखंडता, राज्य की सुरक्षा

9

इंटेलिजेंट एडवरटाइजिंग में कृत्रिम बुद्धि की भूमिका

डॉ. मनस्वी महेश्वरी

परिचय

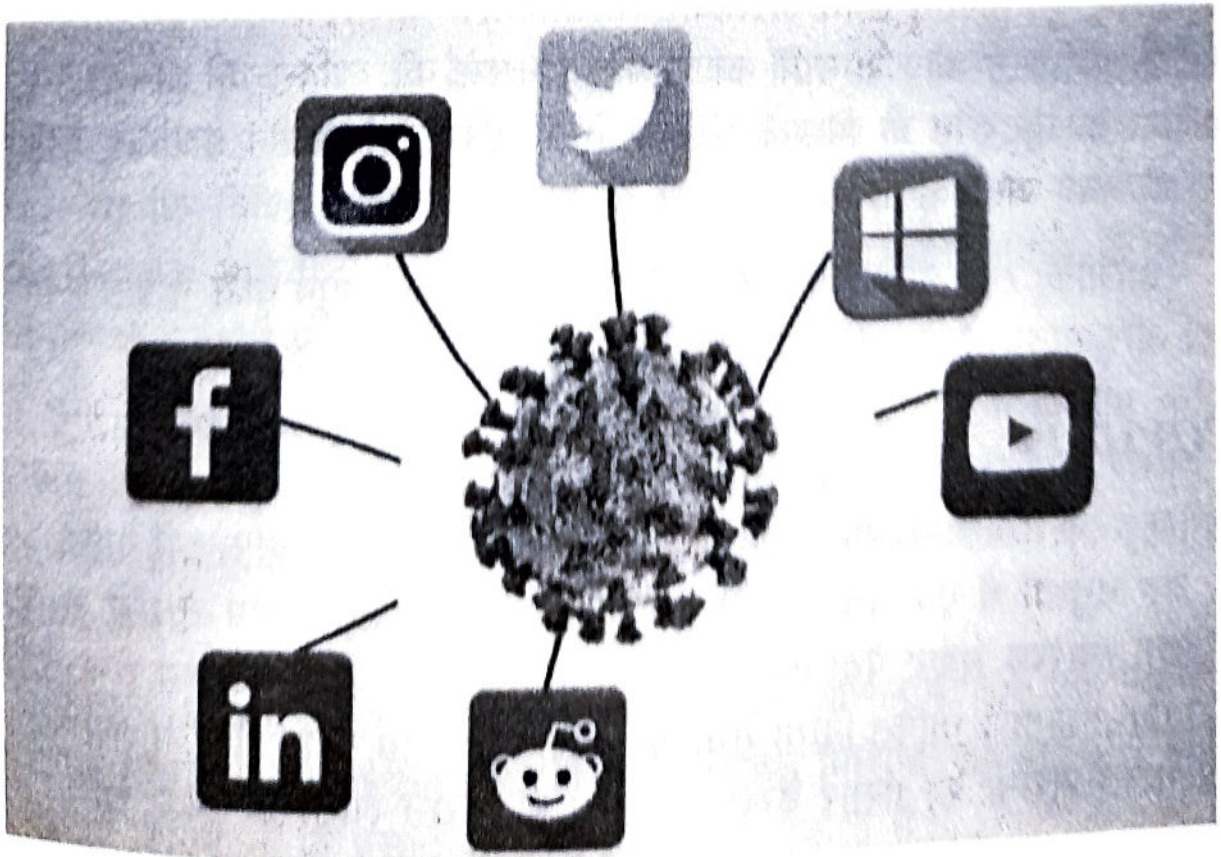
इंटेलिजेंट एडवरटाइजिंग का अर्थ है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करना ताकि यूजर्स द्वारा उपलब्ध कराए गए डेटा के आधार पर विज्ञापन संदेशों को ऑप्टिमाइज किया जा सके। इंटेलिजेंट एडवरटाइजिंग का उद्देश्य सही लोगों को सही प्लेटफॉर्म का उपयोग करके सही समय पर सही ब्रांड संदेश देना है। नए युग के विज्ञापन को लोकप्रिय रूप से डिजिटल विज्ञापन के रूप में जाना जाता है जो बुद्धिमान विज्ञापन ढांचे की मांग करता है। इसमें रचनात्मकता के साथ-साथ अधिक सटीकता की भी आवश्यकता होती है।

कीट्जमैन, जे एट अल (2018) द्वारा कहा गया है "उपभोक्ता-क्यूरेटेड डेटा की यह प्रतीत होता है कि अंतहीन आपूर्ति इसकी मात्रा, वेग, विविधता और सत्यता के मामले में बढ़ती जा रही है।" इस बड़े डेटा प्रवाह को उपयोगी उपभोक्ता अंतर्दृष्टि में बदलने के लिए विपणक और विज्ञापनदाताओं द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग किया जाता है।

12

कोविड-19 महामारी के दौरान युवाओं के सोशल मीडिया उपयोग का अनुभव: ऑनलाइन प्रश्नावली अध्ययन

विशाल सहाय





About Delhi Metropolitan Education

Delhi Metropolitan Education (DME) is an 'A' grade premier educational institute affiliated to Guru Gobind Singh Indraprastha University, New Delhi and approved by Bar Council of India. The institute offers state of the art infrastructure with strong academic facilities to provide a dynamic and clinical grounding for success. DME offers course in Law, Journalism and Management.



₹ 600

कनिष्क पब्लिशिंग हाउस

ISBN 978-93-93322-26-5

4695/5-21 ए, अंसारी रोड, दरियागंज
नई दिल्ली-110002

फोन: 011-23270497, 9654296751

E-mail: kanishkabooks@gmail.com
kanishka_publishing@yahoo.co.in



9 789393 322265

